विषय-सूची

भूमिका x-xvii

अध्याय-1 : सामाजिक यथार्थ : अर्थ एवं स्वरूप 1-64

1. यथार्थ और यथार्थवाद
2. यथार्थवाद के विभिन्न रूप
3. सामाजिक यथार्थ
4. साहित्य और सामाजिक यथार्थ
5. हिन्दी कविता में सामाजिक यथार्थ की अभिव्यक्ति

सन्दर्भ-सूची

अध्याय-2 : दुष्यंत कुमार की काव्य-यात्रा 65-112

1. आरम्भिक कविताएँ
2. काव्य-संग्रह :

2.1 सूर्य का स्वागत

2.2 आवाजों के घेरे

2.3 जलते हुए वन का वसंत

3. गजल – संग्रह : साये में धूप
4. गीति नाट्य : एक कंठ विषपायी

सन्दर्भ-सूची

अध्याय-3 : दुष्यंत कुमार की कविता में सामाजिक यथार्थ 113-192

1. आजादी और आमजन
2. लोकतंत्र
3. नेतागण और आश्वासनों का ढोंग
4. पूँजीवादी समाजवाद और शोषण
5. किसान और उसकी त्रासदायक स्थिति
6. महँगाई का जहर और आमजन
7. बेरोजगारी की भयावहता
8. नारी जीवन की त्रासदी
9. मूल्यों के क्षरण से उत्पन्न नई तहजीब

सन्दर्भ-सूची

अध्याय-4 : दुष्यंत कुमार की कविता में व्यंग्य 193-241

1. व्यंग्य
2. व्यंग्य का उद्देश्य
3. राजनीतिक व्यंग्य
4. सांस्कृतिक व्यंग्य
5. साहित्यिक व्यंग्य

सन्दर्भ-सूची

अध्याय-5 : दुष्यंत कुमार की कविता के कुछ अन्य पहलू 242-299

1. प्रेम
2. सौंदर्य
3. प्रशंसात्मक कविताएँ

सन्दर्भ-सूची

अध्याय-6 : दुष्यंत कुमार की जीवन-दृष्टि 300-337

1. गाँधीवादी दृष्टि
2. संघर्ष का स्वर
3. क्रांति का स्वर
4. आस्थावादी दृष्टि
5. आशावादी दृष्टि
6. मानवतावादी दृष्टि

सन्दर्भ-सूची

अध्याय-7 : दुष्यंत कुमार का काव्य-शिल्प 338-398

1. भाषा
2. बिम्ब
3. प्रतीक
4. अलंकार
5. मुहावरे
6. शैली
7. मिथक

सन्दर्भ-सूची

उपसंहार 399-413

परिशिष्ट :

सन्दर्भ ग्रंथ-सूची 415-425

संक्षिप्त संकेत-सूची 426

डॉ. धनंजय वर्मा से शशि शर्मा का संवाद 427-436

डॉ. विजय बहादुर सिंह से शशि शर्मा का संवाद 437-449

ग्रंथानुक्रमणिका 450-452

लेखकानुक्रमणिका 453-454